मीराबेन

गांधी की सहयात्री

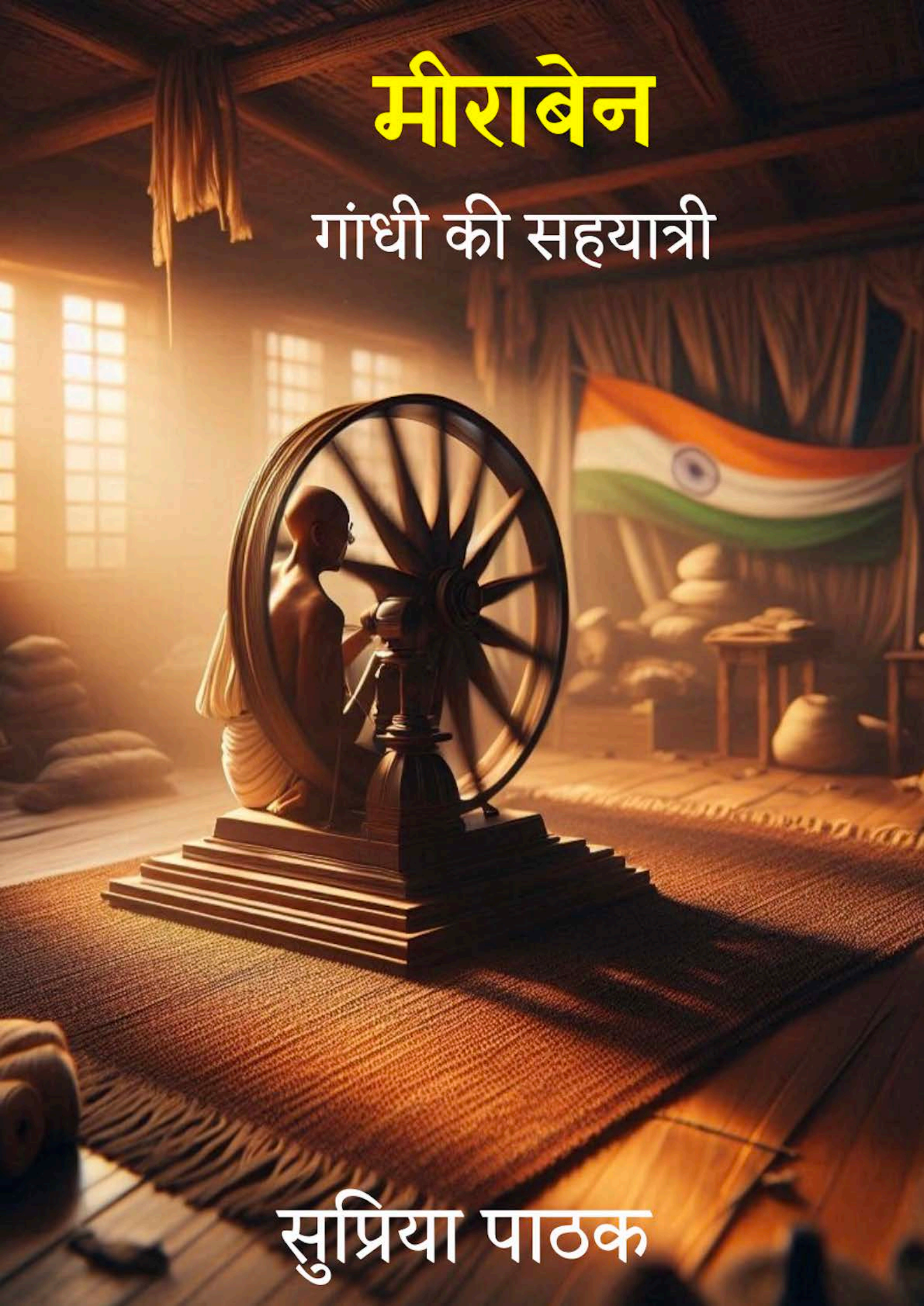

सुप्रिया पाठक

मीराबेन (मेडलिन स्लेड)

गाँधी के सत्याग्रह की सहयात्री

सुप्रिया पाठक

प्रकाशक: नॉटनल

प्रकाशन: अक्टूबर, 2024

© सुप्रिया पाठक

गाँधीवादी मूल्यों एवं विचारों में गहरी आस्था रखने वाले, साहित्यिक विधाओं के गहन अध्येता तथा आलोचक मेरे पिता डॉ. राजनारायण पाठक को सादर समर्पित जिन्हें हम भाई-बहन प्यार से 'पापाजी' बुलाते थे।

अनुक्रम

प्राक्कथन	7
मेडलिन का बचपन	18
‘मीराबेन’ में रुपांतरण	33
गाँधी की सहयात्री ‘मीराबेन’	48
उत्तर–पर्व	144

आभार

इस पुस्तक को लिखना मेरे लिए अत्यंत सौभाग्य की बात है । इतिहास के पन्नों से अदृश्य स्त्री पात्रों को तलाशना और नए सिरे से उन्हें समझने का प्रयास करना, स्त्रीवादी सैद्धांतिकी का प्रस्थान बिंदु रहा है । स्त्रीवादी इतिहास लेखन हाल में विकसित हुई की परंपरा है जिसने उन महत्वपूर्ण स्त्रियों को पाठकों के समक्ष जीवंत रूप में प्रस्तुत किया है, जिन्होंने इतिहास बदला है। यह पुस्तक उस दिशा में किया गया प्रयास मात्र है। स्वतंत्रता आंदोलन में स्त्रियों की भागीदारी सुनिश्चित कराने का श्रेय हमारे राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी को दिया जाता है जिन्होंने स्त्रियों के अंदर नई आत्मशक्ति का संचार किया।

गाँधी के आवाह्न पर स्वतंत्रता आंदोलन में भागीदारी करने के लिए सिर्फ भारतीय स्त्रियाँ आगे नहीं आईं, बल्कि विदेशी स्त्रियों ने भी उनका शिष्यत्व ग्रहण कर उस महायज्ञ में अपनी महती भूमिका निभाई । उन महान स्त्रियों में एक थीं 'मीराबेन'। यह पुस्तक उनकी जीवन यात्रा का लेखा जोखा है। मीराबेन का वास्तविक नाम मेडलिन स्लेड था जिनके बारे में हमें इतिहास के पन्नों में छिटपुट रूप से जानकारी मिलती है परंतु उनके जीवन पर जितने संवेदनशील और गंभीर रूप से लेखन होना चाहिए था, वह नहीं हुआ, उसकी कमी अखरती है। यह पुस्तक उस कमी को पूरा करने का विनम्र प्रयास है।

इस पुस्तक को लिखना कभी संभव नहीं हो पाता यदि आधार पुस्तकों के रूप में मीराबेन पर सामग्री उपलब्ध नहीं होती इसलिए उन लेखकों एवं अध्येताओं के प्रति हार्दिक आभार । धन्यवाद ज्ञापन की इस शृंखला में सर्वप्रथम मेडलिन स्लेड का नाम